हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 31 मई, 2025

11 छात्रों से 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर तंबाकू ...

12 जलवायु परिवर्तन के खिलाफ दुनिया को राह...

खबर संक्षेप

राज्य पुरस्कार के लिए मांगे आवेदन

चरखी दादरी। नशा मुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों और संस्थाओं व नशा मुक्ति केंद्रों को 2025-26 राज्य पुरस्कार प्रदान किए जाने हैं। आवेदनकर्ता अपना आवेदन विभागीय अवार्ड पोर्टल पर 2 जून तक कर सकते हैं। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदनकर्ता को अपना आवेदन जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में भी सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित जमा करवाना होगा।

नागरिक जागरूकता के लिए आपात रिहर्सल आज

चरखी दादरी। गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार नागरिक जागरूकता को लेकर जिले में 31 मई को ऑपरेशन शिल्ड के तहत ब्लैकआउट और आपात मॉक ड्रिल रिहर्सल जाएगी। सायरन बजने के साथ ही बिजली ऑफ हो जाएगी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने जिलावासियों से आह्वान करते हुए कहा है कि वे रिहर्सल के दौरान सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतों की पालना करें।

नौरंगाबाद में अज्ञात का कंकाल मिला

भिवानी। नौरंगाबाद में अज्ञात मानव कंकाल बरामद किया गया है। यह कंकाल संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटनास्थल पर तुरंत पुलिस टीम पहुँच गई थी और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम को भी सूचित कर आवश्यक सबूत जुटाए गए हैं। प्रारंभिक जांच के आधार पर यह कहा जा सकता है कि कंकाल 10/15 दिन पुराना है, परंतु सटीक जानकारी मेडिकल व फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही दी जा सकेगी। जो बरामद कंकाल के ऊपर सफेद रंग की टीम शर्ट व नीले रंग की पेंट है जिसकी उम्र करीब 55 वर्ष के करीब है। जिला पुलिस भिवानी आमजन से अपील करती है कि यदि किसी व्यक्ति का पिछले कुछ समय से कोई परिजन लापता है या इस संबंध में कोई जानकारी है, तो तुरंत प्रबंधक थाना सदर भिवानी निरीक्षक नरेंद्र कुमार से संपर्क करें।

राइपनिंग चैंबर के लिए 35 प्रतिशत अनुदान

चरखी दादरी । प्रदेश सरकार द्वारा बागवानी के क्षेत्र को बढ़ाने के लिए विशेष अनुदान योजना लागू की गई है। जिसमें राइपनिंग चेंबर पर 1 लाख रुपये प्रति मीट्रिक टन लागत के आधार पर 35 हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन के हिसाब से अनुदान राशि दी जाएगी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि योजना के तहत अधिकतम 300 मीट्रिक टन पर 1.5 करोड़ तक प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रति लाभार्थी दिए जाते हैं। बागवानी स्कीम का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण व पूर्ण दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है।

अतिक्रमण से घुटा बाजारों का दम वाहनों और लोगों के लिए राह कम

दुकानों से बाहर सामान रखने के चलते घट गई रास्तों की चौड़ाई, आधी सड़क बची

भिवानी। बाजार में लगा जाम और दुकानों के आगे रखा सामान। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- दुकान से करीब पांच से छह फुट आगे तक सामान रखा हुआ है
- घंटाघर चौक से लेकर सराय चौपटा तक के बाजार में हमेशा बनी रहती जाम की स्थिति

अतिक्रमण की वजह से बाजारों का दम घुटने लगा है। दुकानों की बजाए ज्यादा सामान सड़कों पर रखा जा रहा है। हालात ये बने है कि दुकान से करीब पांच से छह फुट आगे तक सामान रखा हुआ है। इतना ही अतिक्रमण सड़क की दूसरी तरफ किया गया है। जिस वजह से बाजार के रास्तों की चौड़ाई आधे से भी कम रह गई है। अतिक्रमण के चलते सड़कों पर वाहन के ही नहीं,बल्कि लोगों का वहां से निकलना दूभर हो रहा है।

कई बार तो दोपहिया वाहन भी आ जाए तो लोगों को उस वाहन के निकलने तक सड़क पर खड़ा होना पड़ता है। फिलहाल बाजारों के रास्तों की चौड़ाई पूरी तरह से सिमट गई है। वैसे तो शहर का कोई ऐसा मार्ग नहीं है जहां पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा न हो,लेकिन सबसे बुरी स्थिति नया बाजार इलाके की है। यहां पर दुकानदारों द्वारा सुबह ही सामान निकालकर दुकानों के आगे रखना शुरू कर देते है। दुकानदान अपनी दुकानों के आगे पांच से छह फुट दूर तक सामान रख रहे है। ऐसे में आधा रास्ता पूरी तरह से सामान से ब्लाक हो रहा है।

इस दौरान कोई छोटा या बड़ा वाहन आ जाए तो रास्ता पूरी तरह से ब्लॉक हो जाता है। एक ऑटो रिक्शा भी आ जाए तो लोगों को उसके निकलने का इंतजार करना पड़ता है। यह स्थिति अकेले नया बाजार की नहीं है,बल्कि अन्य बाजारों की भी बनी है। घंटाघर चौक से लेकर सराय चौपटा तक के बाजार में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। यहां पर दुकानों के आगे सामान रखने तथा कुछ दुकानों के आगे रेहड़ियां खड़ी कर देते है तो उससे भी बाजार की सड़कों की चौड़ाई घट रही है। सराय चौपटा से लेकर कपड़ा बाजार की भी इसी तरह की स्थिति बन गई है।

इन बाजारों में अतिक्रमण की वजह से लोगों का निकलना बड़ा मुश्किल हो रहा है।

पीली पट्टियों से बाहर निकला सामान

विगत में नगरपरिषद ने बाजारों में अतिक्रमण रोकने के लिए दुकानों के आगे पीली पट्टी खींची थी। ताकि दुकानदार दुकानों के आगे उससे बाहर अपना सामान न रखे। कुछ दिनों तक दुकानदारों ने पीली पट्टी के हिसाब से ही सामान रखा। उसके बाद बाजार की चौड़ाई अपने आप बढ गई,लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से सामान पीली पट्टी को पार कर गया। इसके अलावा दुकानदारों ने अपने दोपहिया वाहन भी इस पट्टी से बाहर खड़े करने शुरू कर दिए। जिससे बाजार के रास्तों पर भीड़ बढ़ने लगी। अब हालात ये बने है शहर के हरेक बाजार में अतिक्रमण की वजह से राहगीरों व बाजार में विभिन्न कार्य से आने वाले लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है।

आज रात 15 मिनट भिवानी शहर में की जाएगी ब्लैक आउट रिहर्सल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- शाम पांच बजे लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में होगी मॉक ड्रिल रिहर्सल

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि आपदा प्रबंधन को लेकर 31 मई को रात 8 बजे से 8.15 बजे तक भिवानी शहर में ब्लैक आउट रिहर्सल की जाएगी। इससे पहले सांय पांच बजे लघु सचिवालय में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल रिहर्सल की जाएगी, जिसमें सिविल डिफेंस प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारी, विद्यार्थी और युवा शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि ब्लैक आउट और सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल रिहर्सल को लेकर नागरिकों को किसी भी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नहीं है। यह केवल सामान्य रिहर्सल है, जो कि समय-समय पर करनी जरूरी होती है। उन्होंने बताया कि ब्लैक आउट से ठीक पहले शहर में सायरन बजेगा। यदि किसी व्यक्ति को किसी कारणवश सायरन की आवाज ना भी सुनाई दे तो आमजन का कर्तव्य बनता है कि वह ब्लैक आउट के दौरान 8 से 8.15 के बीच अपने घर या घर से बाहर सोलर आदि लाइट न जलाएं।

नागरिक अपने घरों में ही रहें। यदि कोई वाहन चला रहा है तो उसको इस दौरान साइड में खड़ा कर दें। उन्होंने शहरवासियों से आह्वान किया है कि वे निर्धारित समय पर ब्लैक आउट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की पालना करें, जो कि स्वयं और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए जरूरी होता है।

मृतक बहन के खाते से निकाले 10 लाख, आरोपी भाई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- आरोपी भाई को न्यायिक हिरासत में भेजा

पुलिस ने धोखाधड़ी कर मृतक महिला के बैंक खाते से लाखों रुपये निकालने के आरोपी भाई को काबू कर लिया है। ज्ञात रहे कि 20 जनवरी को झज्जर जिले के गांव छारा निवासी नवीन ने शिकायत में बताया कि वह भारतीय सेना में नौकरी करता है। उसने लोन लेकर पत्नी प्रोमिला के बैंक खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। कुछ दिनों बाद उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। इसके बाद पत्नी का एटीएम व सभी बैंक के कागजात उसका ससुर पिता और साला ले गए। उन्होंने धोखाधड़ी से प्रोमिला के खाते से 10 लाख रुपये निकाल लिए। जब वह बैंक गया तो पत्नी प्रोमिला के खाते में रुपये नहीं मिले। नवीन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हेड कांस्टेबल हरवंश ने ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड की जांच की। पुलिस ने वीरवार को आरोपी कलियाणा निवासी मंजीत को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी मंजीत से 20 हजार रुपये बरामद किए हैं। आरोपी मंजीत को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भिवानी। वेतन की मांग को लेकर विरोध जताते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कौशल में कार्यरत कर्मचारियों ने वेतन नहीं मिलने पर जताया रोष, पांच माह से नहीं मिली सैलरी

भिवानी। हरियाणा गर्वमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन सम्बंधित हरियाणा सयुंक्त कर्मचारी संघ की शहरी व फील्ड ब्रांच कर्मचारियों की संयुक्त मीटिंग यूनियन कार्यालय में शहरी ब्रांच व फील्ड ब्रांच के प्रधान जयकिशन शर्मा व आनन्द श्योराण की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में विशेष रूप से जिला प्रधान सुरेन्द्र कुमार टोनी ने शिरकत की। मीटिंग का संचालन शहरी ब्रांच सचिव बिजेन्द्र परमार ने किया। शहरी व फील्ड ब्रांच के जयकिशन शर्मा व आनन्द श्योराण ने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम में विभाग में जो कर्मचारी कार्यरत हैं, सरकार की हिदायतों के अनुसार कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी नहीं दी गई है, जबकि ये कर्मचारी भयंकर गर्मी में अपनी निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। सरकार द्वारा इन कर्मचारियों का तीन महीने का कार्यकाल तो बढ़ाया, लेकिन निरंतर कार्य करने के बावजूद इन कर्मचारियों का वेतन नहीं दिया गया है, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने बताया कि इनमें से बहुत से कर्मचारियों के इएसआई कार्ड जारी नहीं किये गये हैं, जिससे ये कर्मचारी अपना इलाज करवाने में असमर्थ हैं। ट्रम अम्पाईटी व मस्ट्रोल पर लगे कर्मचारियों का पिछले 5 माह से वेतन नहीं मिलने से इन कर्मचारियों के परिवार का गुजर बसर करना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों को केन्द्र के समान मकान भत्ता दिया जाए, आठवें वेतन आयोग का गठन किया जाए, कर्मचारियों को मिलने वाली एलटीसी का लाभ देने की मांग उठाई। इस अवसर पर जिला कार्यालय सचिव चांदीराम कादयान, अमित जांगड़ा, सुखबीर गुर्जर, बजरंग लाल, संदीप, नरेश सोनी, विनोद पराशर, राममेहर, धूपसिंह, राकेश, देवेन्द्र, नरेश, दीपक, अमित, सोमबीर, राहुल भारद्वाज व अमित सहरावत आदि उपस्थित थे।

भिवानी व दादरी के छात्र भी पढ़ सकेंगे फ्रेंच और जर्मन भाषा

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विवि में अब भिवानी, दादरी के छात्र भी पढ़ सकेंगे फ्रेंच और जर्मन भाषा । विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस नए सत्र से प्रारंभ कर रहा है बीए इंग्लिश ऑनर्स के साथ विदेशी भाषाओं में डिप्लोमा। डॉ. स्नेहलता ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश अब डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस के नाम से जाना जाएगा। यह नया नामकरण भाषाओं के विकास के लिए एक विस्तृत फलक प्रदान करता है, जो विश्वविद्यालय के लिए एक उपलब्धि है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व एवं कुलसचिव डॉ भावना शर्मा की देखरेख में डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस पहली बार भिवानी और दादरी क्षेत्र के छात्रों के लिए विदेशी भाषाओं में डिप्लोमा और इंग्लिश ऑनर्स में स्नातक करने का सुनहरा अवसर देने जा रहा है।

सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध है साथ ही यह दण्डनीय अपराध है

NO SMOKING
NO TOBACCO

31 मई
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

जनहित में जारी | हरिभूमि राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हरिभूमि द्वारा ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' (31 मई 2025) के अवसर पर बस स्टैंड, भिवानी पर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक 'तम्बाकू निषेध हस्ताक्षर अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। आप भी हस्ताक्षर करके इसका हिस्सा बनें और अपने संबंधियों व मित्रों को तम्बाकू उत्पादों को छोड़ने की शपथ दिलाएं।

सौजन्य से
MK HOSPITAL BHIWANI • SHHEF VENTURE
वर्धमान ज्वैलर्स
GAGAN KOKCHA DESIGNER

तैयारी भीम खेल परिसर में मास्टर ट्रेनरों ने करवाया अभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी, पीटीआई शारीरिक शिक्षकों ने ली योग की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन और आयुष विभाग के तत्वावधान में भीम खेल परिसर में पीटीआई, डीपीई व शारीरिक प्रवक्ताओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय योगाभ्यास शिविर के दूसरे दिन मास्टर ट्रेनरों को योगासन एवं प्राणायाम करवाया। यह योगाभ्यास 31 मई तक आयोजित होगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार एवं उपायुक्त महावीर कौशिक मार्गदर्शन में 21 जून को जिला मुख्यालय, उपमंडल और खंड स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में पीटीआई, डीपीई व शारीरिक प्रवक्ताओं और स्कूली बच्चों के लिए योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। स्थानीय भीम खेल परिसर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा, एएमओ कम नोडल अधिकारी डा. निशा खट्टर व मनोज भारद्वाज के नेतृत्व में योग प्रशिक्षक कविता, अंजु, गजानंद शास्त्री, सुनील शर्मा व मदन शास्त्री ने योगाभ्यास करवाया। लगभग 170 पीटीआई, डीपीई व शारीरिक प्रवक्ताओं ने योगाभ्यास किया। योगाचार्यों ने योगाभ्यास में कपाल भाति और प्राणायाम में नाड़ी शोधन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम और भ्रामरी प्राणायाम के साथ-साथ यौगिक दौड़, योगिक जोगिंग, सूर्य नमस्कार, दंड- बैठक, मोटापे के लिए अभ्यास, शुगर, सर्वाइकल, थायराइड के लिए आसन तथा शरीर के आठ चक्रों के लिए 8 भस्त्रिका, उज्जाई व ओम का उच्चारण तथा ध्यान आदि योग क्रियाओं का योगाभ्यास करवाया।

रिहर्सल का शेड्यूल जारी

योगाभ्यास रिहर्सल के लिए शेड्यूल जारी किया गया है। 4 से 6 जून तक स्कूलों में योगासन कार्यक्रम होंगे। 12 से 14 जून तक अधिकारियों-कर्मचारियों, पंच, सरपंच, एनसीसी कैडेट्स के लिए तथा 16 से 18 जून तक जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारी और एनसीसी व आमजन के लिए योगासन कार्यक्रम होंगे। 20 जून को योग दिवस की पायलट रिहर्सल होगी तथा योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

ऑक्टोपस के तीन दिल होते हैं। एक शरीर के चारों ओर खून पंप करता है, जबकि बाकी दो दिल गलफड़ों में खून पंप करते हैं।

ध्रुवीय भालुओं की त्वचा काली होती है, जो उन्हें आर्कटिक जलवायु में गर्म रहने के लिए सूर्य से ऊष्मा अवशोषित करने में मदद करती है।

गेमिंग इंडस्ट्री में भी विद्यार्थियों के लिए करियर संभव

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हर विद्यार्थी 12वीं कक्षा करने के बाद किसी ऐसे करियर की तलाश में रहता है, जिसमें वह ग्रोथ होने के साथ ही अच्छा पैसा भी कमा सके। तो आज हम आपके लिए एक बेहतर करियर ऑप्शन लेकर आए हैं। आज जिस करियर विकल्प के बारे में हम बात करेंगे वह है गेमिंग इंडस्ट्री। इस क्षेत्र में आने के लिए अगर सोचा भी होगा तो आपके मन में कई सवाल आ रहे होंगे कि इस फील्ड में कैसे करियर बनाया जा सकता है, कितनी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन होनी चाहिए, इस फील्ड में बेहतर जॉब मिलेगी भी या नहीं? इस क्षेत्र में करियर बनाना युवाओं को खासा पसंद होता है।

फुल टाइम जॉब

इस समय देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा फुल टाइम इंप्लाई काम कर रहे हैं, जिनमें 30 प्रतिशत प्रोगामर और डेवलपर हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में यह क्षेत्र 20 से 30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करने वाला है। इससे डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों जॉब्स पैदा होने की संभावनाए हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के लेवल, उसके कैरेक्टर्स आदि तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर गेम को इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। गेम राइटिंग और डायग्राम बनाकर इसके अलग-अलग वर्जन तैयार करते हैं। उन्हें डिटेल्ड टेक्नीकल नॉलेज होने के साथ ही उसकी सोच भी क्रिएटिव होनी चाहिए। गेम बनाने के लिए डिजाइनर, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल्स की टीम काम करती है।

क्या चाहिए योग्यताएं

- कैंडिडेट ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होनी चाहिए।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- कंप्यूटर साइंस, गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स, आर्ट, एनिमेशन, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स करने पर भी इस इंडस्ट्री में शानदार अवसर है।

स्किल्स

- इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं को एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट, कैरेक्टर डिजाइन और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस क्षेत्र में जावा, 2 डी गेम डेवलपर्स और 3 डी डेवलपर्स के लिए अपार संभावनाएं हैं।
- गेम डिजाइनिंग के साथ-साथ 3 डी मॉड्यूलिंग और 2 डी सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होनी चाहिए।

आगे बढ़ेगा करियर

जॉब प्रोफाइल

- गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, मैनेजर्स, कास्टर्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर करियर बना सकते हैं.

सैलरी

शुरुआत में 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिलती है। अनुभव होने पर 13 से 15 लाख रुपये का पैकेज मिलता है. जबकि, गेम प्रोड्यूसर 10 लाख रुपये तक सालाना कमा रहे हैं।

कोर्स

- यूआइ/यूएक्स डिजाइनिंग
- बीएससी इन गेमिंग
- बीएससी इन एनीमेशन एवं गेमिंग
- बीएससी इन एनिमेशन गेम डिज़ाइन
- बीए (ऑनर्स) कंप्यूटर गेम्स डिजाइन

अरबों डॉलर का सेक्टर

आज के समय में लोगों के बीच गेम खेलने का शौक आम बात हो गई है, बच्चों से लेकर बड़े तक हर कोई ऑनलाईन गेम खेलना पसंद करता है। जिसके कारण ही यह सेक्टर अब अरबो डॉलर का हो गया है। आप भी अगर उन लोगों में शामिल हों जो प्रतिदिन घंटो अपना समय मोबाइल या कंप्यूटर पर गेम खेलते हुए बिताते हैं। तो आप गेमिंग के फील्ड में आपना बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में छात्र गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर, एनीमेशन, गेम राइटर आदि जैसे कोर्स कर सकते हैं, अगर आप इस सेक्टर में जाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद किसी भी यूनिवर्सिटी या संस्थान से विभिन्न विषयों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और स्नातक डिग्री कोर्स कर सकते हैं।

खुद का काम भी कर सकते हैं

गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर बनाना अब आसान होता जा रहा है, आप ऊपर दिए गए कोर्सेस में से कोई एक कोर्स करके अपना भविष्य बना सकते हैं, आपको इस लाइन में गेम प्रोड्यूसर, गेम डिजाइनर, एनिमेटर, ऑडियो प्रोग्रामर, ग्राफिक प्रोग्रामर, स्पोर्टस प्रोफेशनल्स, मैनेजर्स, कास्टर्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसस बन सकते हैं। आप सेल्फ गेम जोन भी डाल सकते हैं, आजकल बड़े-बड़े मॉल्स में भी गेम जोन रहते हैं, जिनसे कमाई भी बहुत अच्छी होती है।

यह एक यूनिक स्पेस्लाइजेशन, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को देता रफ्तार

रूरल मैनेजमेंट में कोर्स कर बना सकते हैं अच्छा करियर, गांव के विकास में मददगार

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

अच्छी जॉब, सैलरी भी काफी अच्छी

भारत की आजादी के बाद से जीडीजी में एग्रीकल्चर का योगदान 50 फीसदी से ज्यादा है। वहीं 70 फीसदी आबादी आज भी गांवों में रहती है। कोरोना के पहले एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी, जिसके मुताबिक ग्रामीण भारत में जीडीपी में 1.8 ट्रिलियन डालर तक का योगदान दे सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास की रफ्तार तेज करने के लिए रूरल मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की बेहद जरूरत है। इस कोर्स के बाद अच्छी जॉब भी मिलती है और सैलरी भी काफी अच्छी है। रूरल मैनेजमेंट एक यूनिक स्पेस्लाइजेशन है। इसके स्पेस्लाइज्ड प्रोफेशनल्स भारत के ग्रामीण परिदृश्य के सुधार के लिए स्ट्रैटजी बनाने, मैनेज करने और इंप्लीमेंट करने के लिए विकास योजनाएं तैयार करते हैं जोकि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास को रफ्तार देता है। इस कोर्स में छात्रों को ग्रामीण विकास, आयोजन, निर्देशन, वित्तीय संस्थाओं आदि क्षेत्रों की जानकारी दी जाती है। यह कोर्स लगभग सभी सरकारी कॉलेज व यूनिवर्सिटी में उपलब्ध है। 12वीं के बाद छात्र पसंद के अनुसार डिग्री और डिप्लोमा कर सकते हैं। इसके बाद इसमें मुख्य कोर्स के तौर पर मास्टर, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम, एमबी और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी किया जा सकता है। इस कोर्स के बाद सरकारी क्षेत्र में जॉब में काफी संभावनाएं हैं।

किस क्षेत्र में कोर्सेज

अगर आप रूरल मैनेजमेंट का कोर्स करना चाहते हैं, तो देश के किसी भी संस्थान ये डिग्री और डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। इनमें मुख्य कोर्स के तौर पर एमबी इन रूरल मैनजमेंट, मास्टर ऑफ रूरल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन रूरल डेवलपमेंट मैनेजमेंट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मार्केटिंग लोकप्रिय हैं। इन कोर्सेज में संबंधित संस्थान द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा, साक्षात्कार व ग्रुप डिस्कशन के आधार पर नामांकन होता है। इन प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रतियोगी को किसी भी विषय में स्नातक या समकक्ष होना चाहिए। कुछ संस्थान पत्राचार द्वारा भी ये कोर्सेज करवाते हैं।

ऐसे मिलेगी कोर्स में सफलता

अगर आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं तो आपको कई स्किल्स के साथ कुछ ऐसी योग्यताओं की जरूरत पड़गी जो आपकी जरूरते पूरा करेंगी। इसके लिए मुख्यतौर पर आपमें ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने की इच्छा और उत्सुकता के साथ आपको कई स्किल्स बढ़ाने की जरूरत पड़गी। जिसमें बातचीत की कला, स्थानीय रीति-रिवाजों के प्रति संवेदनशीलता, विभिन्न प्रकार के लोगों में घुल-मिल जाना आदि। अन्य प्रबंधन कोर्सेज की तरह यहां भी विश्लेषण की क्षमताए नेतृत्व क्षमतां, समस्या निष्पादन क्षमता आदि लाभप्रद होती हैं।

अनुमानित पैकेज

अगर आप इस फील्ड में एंट्री लेने वाले हैं तो आपको पता होना चाहिए कि इसमें शुरुआती सालाना पैकेज चार से पांच लाख रुपये सालाना होता है। वहीं अगर आपने शीर्ष संस्थानों से कोर्स किया है तो आपको सात से आठ लाख रुपये तक सालाना पैकेज मिल सकता है। इस फील्ड में दो-तीन साल का अनुभव व अच्छे कार्य- प्रदर्शन के बाद आप 10 से 15 लाख रूपये सालाना कमा सकते है। वहीं अंतरराष्ट्रीय संगठनों में पैकेज इससे कहीं ज्यादा होता है।

जॉब ऑप्शन

इस क्षेत्र में छात्रों के लिए करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। ये प्रबंधन के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे सिस्टम, मानव संसाधन, परचेज, मार्केटिंग, फाइनेंस, सामान्य प्रबंधन, प्रोजेक्ट इप्लिलमेंटेशन आदि। इस क्षेत्र के छात्र सरकारी और गैरसरकारी दोनों ही संस्थाओं में मैनेजर, नीति निर्माता, विश्लेषक, शोधकर्ता, सलाहकार आदि के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा इनके पास सरकारी क्षेत्र में ग्रामीण विकास की योजनाओं, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में काम करने का अवसर होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले बैंक भी इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को बतौर प्रबंधक नियुक्त करते हैं। प्रतिभाशाली युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय एनजीओ, संयुक्त राष्ट्र संघ और उससे जुड़ी एजेंसियों में भी जाने का मौका होता है। निजी कंपनियों को भी आधुनिक संचार व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं, जिसके लिए प्रशिक्षितों की जरूरत होती है। कई स्वयंसेवी संगठन अपने यहां ग्रामीण प्रबंधक के रूप में ऐसे लोगों की नियुक्ति करते हैं, जो गांवों में विकास की योजना को अमलीजामा पहना सकें।

कैट एग्जाम क्रैक करने के लिए अपनाएं ये रणनीति, अच्छे नंबरों से होंगे पास

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित एमबीए इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन लेने के लिए आयोजित होने वाली कैट एग्जाम्स में हर साल बड़ी संख्या में छात्र बैठते हैं। यह एमबीएी कोर्स में एडमिशन पाने के लिए सबसे कठिन परीक्षा मानी जाती है। ऐसे में इस एग्जाम को क्रैक करने के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होती है। इस साल 26 नवंबर 2023 को कैट परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय 120 मिनट का होगा। ऐसे में कैंडिडेट्स नीचे दिए गए टिप्स को फॉलो कर पहली बार में परीक्षा को क्रैक कर सकते हैं।

जल्दी करें शुरुआत

अगर आप भी पहली बार में इस एग्जाम को क्रैक करना चाहते हैं, तो जल्द ही तैयारी शुरू कर दें। क्योंकि तैयारी के लिए एक साल का समय कम से कम चाहिए होगा। इस दौरान आप अपना पूरा सिलेबस और टॉपिक भी अच्छे से कवर कर लेंगे। ऐसे में तैयारी का पहला स्टेप जल्दी तैयारी करना है और दूसरा स्टेप समय से टाइम टेबल तैयार करना है।

सिलेबस और टाइम टेबल

ऐसे में सिलेबस को पहले देख लें और उसके अनुसार अपना टाइम टेबल बनाकर तैयार करें। कौन से एरिया में आपको कितना समय लगता है और कौन सा एरिया आप आसानी से तैयार कर सकती हैं। इस हिसाब से आप अपनी पढ़ाई का पूरा टाइम टेबल सेट कर लें। साथ ही आपको यह भी पता होना चाहिए कि सिलेबस को कब तक खत्म करना है। कितने दिन प्रैक्टिस करनी है और कब रिवीजन होगा। ऐसे इन सारी चीजों का खाका पहले से तैयार कर लें।

स्टडी मैटीरियल

कैंडिडेट्स को सिलेबस देखने के बाद अपने लिए रिसर्च करें। सिलेबस चुनकर स्टडी मैटिरियल एकत्र करें। हांलाकि इसमें कंफ्यूजन ना हो और कंफ्यूजन होने पर किसी सीनियर या फिर अपने किसी टीचर से उस कंफ्यूजन को दूर करें। बहुत सारा सिलेबस देखकर आप परेशान हो सकते हैं, इसलिए सिर्फ कुछ चुनिंदा नोट्स, टेस्ट पेपर और किताबें आदि रखें और उन्हीं से तैयारी करें।

प्रैक्टिस है जरूरी

कैट एग्जाम को क्रैक करने के लिए सबसे जरूरी स्टेप तैयारी के साथ-साथ प्रैक्टिस टेस्ट सॉल्व करते रहना चाहिए। इस तरह से आप जान पाएंगे कि आपने कितनी तैयारी कर ली है। पिछले सालों के क्वेश्चन पेपर से भी तैयारी करें। इसके अलावा डिसप्लिन, प्लानिंग, सही स्टडी मैटीरियल, टाइम-टेबल और प्रैक्टिस का खास ध्यान रखें। इस स्टेप्स को फॉलो कर आप कैट एग्जाम में सफलता पा सकते हैं।

जीवन एक लंबी यात्रा, इसमें परीक्षा के नतीजे केवल एक छोटा-सा पड़ाव

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

जीवन एक लंबी यात्रा है, और इस यात्रा में परीक्षा के नतीजे केवल एक छोटा-सा पड़ाव हैं। हम में से कई लोग अपने अंकों, ग्रेड्स या रैंक को अपनी पूरी पहचान मान लेते हैं। लेकिन क्या सचमुच यही आपकी पूरी कहानी है? नहीं, बिल्कुल नहीं! नतीजा सिर्फ एक संख्या है, और जीवन इससे कहीं अधिक व्यापक, सुंदर और अनमोल है।परीक्षा के परिणाम आपके मेहनत, समर्पण और अनुशासन का एक हिस्सा जरूर दर्शाते हैं। वे आपको यह समझने में मदद करते हैं कि आपने कितना सीखा और कहां सुधार की जरूरत है। लेकिन यह भूलना गलत होगा कि ये अंक आपकी पूरी योग्यता, आपके सपनों या आपके भविष्य को परिभाषित करते हैं। जीवन में सफलता केवल अंकों से नहीं मापी जाती। यह आपके जुनून, आपकी मेहनत, आपके रिश्तों, और सबसे महत्वपूर्ण, आपके आत्मविश्वास से तय होती है।

अपेक्षित परिणाम नहीं पाया, तो यह दुनिया का अंत नहीं

अगर आपने इस बार अपेक्षित परिणाम नहीं पाया, तो यह दुनिया का अंत नहीं है। यह केवल एक संकेत है कि आपको नए रास्ते तलाशने हैं, नई रणनीतियां बनानी हैं, और शायद कुछ नया सीखना है। परीक्षा के परिणाम आपके मेहनत, समर्पण और अनुशासन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जरूर दर्शाते हैं, क्योंकि ये दर्शाते हैं कि आपने कितनी लगन से पढ़ाई की, कितना समय अपने लक्ष्यों को दिया, और कितनी मेहनत से अपने ज्ञान को परखने की तैयारी की। ये अंक एक दर्पण की तरह हैं, जो आपको यह समझने में मदद करते हैं कि आपने कितना सीखा, कहां आप मजबूत हैं, और कहां सुधार की गुंजाइश है। लेकिन यह सोचना गलत होगा कि ये नंबर आपकी पूरी योग्यता, आपके सपनों, या आपके भविष्य को पूरी तरह परिभाषित करते हैं। जीवन एक विशाल कैनवास है, और परीक्षा के अंक उसमें केवल एक छोटा-सा रंग हैं। आपकी योग्यता केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है यह आपके जुनून, आपकी रचनात्मकता, आपके धैर्य, और आपकी असफलताओं से सीखने की क्षमता में भी झलकती है। आपके सपने उन ऊंचाइयों को छू सकते हैं, जो कोई मार्कशीट माप नहीं सकती। भविष्य आपके हाथों में है, और वह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी हिम्मत और लगन से अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते हैं, न कि केवल उन अंकों पर जो एक पेपर पर लिखे होते हैं। इसलिए, अपने परिणामों को एक पड़ाव मानें, अंत नहीं। अगर अंक अच्छे आए, तो गर्व करें, और अगर नहीं आए, तो यह समझें कि यह सिर्फ एक सबक है, जो आपको और बेहतर बनने का मौका दे रहा है। आपका असली मूल्य आपके आत्मविश्वास, आपकी मेहनत, और आपके सपनों को हकीकत में बदलने की इच्छाशक्ति में निहित है।

जीवन की असली परीक्षा: जीवन की असली परीक्षा कक्षा की चारदीवारी से बाहर होती है। यह वह परीक्षा है जहां आपको अपने डर का सामना करना पड़ता है, असफलताओं से उठना पड़ता है, और बार-बार कोशिश करनी पड़ती है। यह वह जगह है जहां आप सीखते हैं कि धैर्य, दृढ़ता और आत्मविश्वास आपके सबसे बड़े हथियार हैं।

क्या आपने कभी सुना है कि अल्बर्ट आइंस्टीन को स्कूल में ₹धीमा₹ समझा जाता था? या कि थॉमस एडिसन को उनके शिक्षकों ने ₹अनुपयोगी₹ कहा था? फिर भी, इन लोगों ने दुनिया को बदल दिया। उनका नतीजा उनकी प्रतिभा को परिभाषित नहीं कर सका, क्योंकि उन्होंने अपने जुनून और मेहनत पर भरोसा किया।

असफलता: एक सीढ़ी, अंत नहीं

अगर इस बार आपका परिणाम उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा, तो निराश होने की जरूरत नहीं है। असफलता कोई सजा नहीं, बल्कि एक सबक है। यह आपको बताती है कि आप कहां मजबूत हैं और कहां कमजोर। हर असफलता आपको बेहतर होने का मौका देती है। यह आपको सिखाती है कि हार मानना कोई विकल्प नहीं है। छात्र जीवन में हर अनुभव, चाहे वह जीत हो या हार, आपको मजबूत बनाता है। असफलता आपको यह सिखाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। यह आपको अपने सपनों के लिए और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देती है।

जीवन के रंग, अंकों से परे : जीवन केवल किताबों, नोट्स और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। यह दोस्ती, परिवार, हंसी, रोमांच, और अपने जुनून को खोजने का नाम है। यह उन छोटे-छोटे पलों में छिपा है जब आप किसी की मदद करते हैं, जब आप कुछ नया सीखते हैं, या जब आप अपने सपनों की ओर एक कदम बढ़ाते हैं।

अपने आप से पूछें : आप क्या बनना चाहते हैं? क्या आप एक वैज्ञानिक बनना चाहते हैं जो दुनिया को बदल दे? क्या आप एक कलाकार बनना चाहते हैं जो अपनी कला से लोगों के दिलों को छू ले? या शायद एक ऐसा इंसान जो दूसरों के लिए प्रेरणा बने? ये सपने किसी मार्कशीट से बड़े हैं।

सामान्य ज्ञान

1. तवा किसकी सहायक नदी है ?
(ए) नर्मदा
(बी) तापी
(सी) महानदी
(डी) गोदावरी

2. निम्नलिखित में से कौन - सी नदी प्रारम्भ में अरुण नदी के नाम से जानी जाती है ?
(ए) सोन
(बी) कोसी
(सी) चम्बल
(डी) यमुना

3. निम्नलिखित में से किस नदी को 'उड़ीसा का शोक' कहा जाता है ?
(ए) महानदी
(बी) ब्राह्मणी
(सी) वैतरणी
(डी) दामोदर

4. इंदौर के समीप स्थित जनापाव पहाड़ी स्त्रोत है -
(ए) तापी नदी का
(बी) चम्बल नदी का
(सी) माही नदी का
(डी) महानदी का

5. भारत की लवण नदी के नाम से जानी जाती है -
(ए) माही
(बी) लूनी
(सी) बनास
(डी) साबरमती

6. कौन - सी नदी भेड़ाघाट के समीप कपिलधारा जलप्रपात का निर्माण करती है ?
(ए) नर्मदा
(बी) तापी
(सी) गोकक
(डी) शरावती

7. निम्नलिखित में से कौन - सी नदी ज्वारनदमुख का निर्माण करती है ?
(ए) राप्ती
(बी) महानदी
(सी) नर्मदा
(डी) स्वर्णरेखा

8. प्रायद्वीपीय भारत की निम्न नदियों में से कौन शेष तीन से विशिष्ट रूप से भिन्न है ?
(ए) नर्मदा
(बी) कावेरी
(सी) कृष्णा
(डी) गोदावरी

उत्तर 1.(ए) 2.(बी) 3.(ए) 4.(बी) 5.(बी) 6.(ए) 7.(सी) 8.(ए)

नियमित व्यायाम, संतुलित आहार व जागरूकता स्वास्थ्य रक्षा में मददगार: डॉ. रूपेंद्र

छात्रों से 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर तंबाकू मुक्त जीवन जीने का किया आह्वान

विद्यार्थियों को तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी

भिवानी। धूम्रपान न करने की शपथ दिलवाती छात्रा प्रिया।

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर निकाली जागरूकता रैली को रवाना करती बीके वसुधा बहन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हलवासिया स्कूल में रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सुमित अग्रवाल ने छात्रों को 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर तंबाकू मुक्त जीवन का आह्वान करते हुए छात्रों को जागरूक किया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान तथा एनएसएस प्रभारी कविता तंवर के निर्देशन में 'विश्व तंबाकू निषेध' दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट सर्वेश हेल्थ सिटी हिसार से रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सुमित अग्रवाल पधारे। इस मौके पर डॉ. रूपेंद्र रंगा, डॉ. एनके गर्ग, डॉ. राज महता, डॉ. सरोज रंगा, डॉ. सुशील धमीजा तथा एचडीएफसी बैंक के प्रबंधक सुनील कुमार पधारे। डॉ. सुमित अग्रवाल ने विद्यार्थियों को तंबाकू और अन्य मादक पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया हर वर्ष लाखों लोग तंबाकू से संबंधित बीमारियों की वजह से असमय मौत के शिकार होते हैं। तंबाकू का सेवन केवल फेफड़ों को ही नहीं, बल्कि हृदय, किडनी, लीवर और यहां तक कि त्वचा व दांतों को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। डॉ. रूपेंद्र रंगा ने बताया कि तंबाकू से मुख्य रूप से फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, मुंह और गले का कैंसर, उच्च रक्तचाप, दांत व मसूड़ों की समस्याएं और सांस की बीमारियां होती हैं। इन बीमारियों से बचने का सबसे प्रभावी तरीका तंबाकू और नशे से पूरी तरह दूर रहना है। साथ ही नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव से मुक्ति और जागरूकता भी स्वास्थ्य रक्षा में मददगार हैं।

डॉ. सुशील धमीजा ने बताया युवा अगर संकल्प कर लें कि वह तंबाकू और नशे को ना कहेगा तो हम एक स्वस्थ, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं। छात्रा साक्षी ने भाषण तथा तनु ने कविता प्रस्तुत की। छात्रा प्रिया ने शपथ दिलाई।

हरिभूमि का हस्ताक्षर अभियान आज

भिवानी। हरिभूमि समाचार पत्र एमके हॉस्पिटल, वर्धमान ज्वैलर्स व गगन कोकचा डिजाइनर के सहयोग से 31 मई शनिवार को बस स्टैंड परिसर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हस्ताक्षर अभियान चलाएगा। हस्ताक्षर अभियान के दौरान लोगों को बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू व गुटका आदि से दूरी बनाने के लिए जागरूक किया जाएगा, ताकि लोग कैंसर जैसी बड़ी बीमारी की गिरफ्त में आने से बच सकें। उल्लेखनीय हैं कि हरिभूमि समाचार पत्र हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31 मई शनिवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हस्ताक्षर अभियान चलाएगा। अभियान की शुरूआत सुबह नौ बजे बस स्टैंड परिसर में हस्ताक्षर अभियान से होगी, जिसमें विद्यार्थी, युवाशक्ति, बुजुर्ग, महिलाएं, अधिकारी व कर्मचारी सहित समाज का प्रत्येक वर्ग हस्ताक्षर अभियान में सहभागिता करके लोगों में तम्बाकू के प्रति जागरूकता लाने का काम करेगा। इस मौके पर लोगों को बताया जाएगा कि तम्बाकू का सेवन करने से हर वर्ष देश में करीब साढ़े 13 लाख लोगों की मौत हो जाती हैं। धूम्रपान की वजह से करीब 40 प्रतिशत पुरूष कैंसर से पीड़ित हैं, जो जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं, इसलिए हस्ताक्षर अभियान में सहभागी बनकर लोगों को तम्बाकू से दूरी बनाने के लिए जागरूक करें, जिससे युवा पीढ़ी में बढ़ते बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, तम्बाकू व गुटका आदि के शौक पर ब्रेक लग सकें।

नशा व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राष्ट्र की उन्नति में घातकः बीके वसुधा

भिवानी। नशा व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राष्ट्र की उन्नति में घातक है, तंबाकू मीठा व धीमा जहर है, जो दीमक की तरह से धीरे धीरे मानव जीवन को अंदर से खोखला कर देता है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कादमा के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर निकाल गई नशामुक्ति रैली को हरी झंडी दिखाते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने सभी लोगों को तंबाकू सहित नशीले पदार्थ छोड़ने की दृढ़ संकल्प दिलाते हुए व्यसन मुक्त योग युक्त रह सात्विक जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। झोझू सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने युवाओं को समझाते हुए कहा कि तंबाकू, बीडी, सिगरेट व अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक व वित्तीय नुकसान भी होता है। राजकीय वमा विद्यालय कादमा के स्काउट मास्टर व पर्यावरण प्रेमी रणधीर ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तंबाकू विश्व के लिए खतरा है, हमें पर्यावरण की रक्षा करनी है। इस विषय पर स्थान स्थान पर सेमिनार, विचार गोष्ठी व जनजागरुकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक थालौर व महेश फौजी सरपंच प्रतिनिधि कादमा ने ब्रह्माकुमारी बहनों का आभार जताया। उन्होंने युवाओं को सात्विक जीवन शैली जीने के साथ-साथ आध्यात्मिक व नैतिक मूल्य अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्रीराधा कृष्ण गौशाला अध्यक्ष सतबीर शर्मा व सुबे स्वामी पंच ने कहा कि बच्चों को नशे की लत से बचकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए, उन्हें भगतसिंह, सुभाषचंद्र बोस, वीर सावरकर उधम सिंह जैसे सवतंत्रता सेनानियों को अपना आदर्श मानकर लक्ष्य निर्धारण करना चाहिए।

तम्बाकू निषेध दिवस पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

बहल। एसएफआई ट्रस्ट के तत्वावधान में कस्बे के सांगवान नर्सिंग होम में शुक्रवार को तम्बाकू निषेध दिवस पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा। डा. सुरेंद्र सांगवान ने बताया कि शिविर में धूम्रपान छोड़ने के लिए निशुल्क दवाई वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले 17 वर्षों से हास्पिटल में प्रतिवर्ष शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में धूम्रपान से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी जाएगी।

साम्राज्यवाद विरोध एवं पूंजीवाद लूट के खिलाफ बुलंद की आवाज

भिवानी। सीटू के स्थापना दिवस पर झंडा फहराते किसान एवं मजदूर नेता कामरेड ओमप्रकाश व अन्य। फोटो :हरिभूमि

- मेहनतकश की एकता व संघर्ष के आह्वान के साथ सीटू का मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहीद भगत सिंह यादगार भवन में साम्राज्यवाद विरोध व पूंजीवाद लूट के खिलाफ मेहनतकश की एकता व संघर्ष के आह्वान के साथ सीटू का 56वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर सीटू जिला प्रधान राममेहर सिंह ने सीटू का झंडा फहराया। इस मौके पर मजदूर एवं किसान सभा के उपाध्यक्ष कामरेड ओमप्रकाश व सीटू जिला सचिव कामरेड अनिल कुमार ने अपने विचार सांझा किए। सीटू स्थापना दिवस पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि मौजूदा भाजपा सरकार नवउदारवादी नीतियों को तेज गति से लागू कर रही है।

भाजपा सरकार ने कोरोनाकाल में 44 श्रम कानूनों को समाप्त करके 4 लेबर कोड पास कर दिए है। सार्वजनिक क्षेत्र को अपने चहते कॉर्पोरेट घरानों के हवाले कर रही है। स्थायी काम स्थायी रोजगार के स्थान पर अस्थायी काम को बढ़ावा दिया जा रहा है। ट्रेड यूनियन अधिकारों को तानाशाहीपूर्ण तरीके से समाप्त किया जा रहा है। इस मौके पर 20 मई को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को युद्ध के माहौल के चलते स्थगित करना पड़ा। मगर इस मौके को भी भाजपा सरकार मुस्लिम समुदाय के खिलाफ सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सबने देखा है कि सोफिया कुरैशी जिसने ऑपरेशन सिंदूर का नेतृत्व किया उनके खिलाफ भी भाजपा मंत्री गलत बयानबाजी कर रहे है। चिंता का विषय है कि भाजपा सरकार महंगाई एवं बेरोजगारी पर लगाम लगाने की बजाय मजदूरों को गुलाम बनाने वाले लेबर कोड को लागू करने के प्रयास कर रही है। ट्रेड यूनियनों ने इसके विरोध में 9 जुलाई को ऐतिहासिक देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सीटू नेता भीमसिंह, सुखदेव सिंह, उपासना, महावीर चांग, विजय मिताथल, रिटायर्ड कर्मचारी नेता रतन जिंदल, नरेश शर्मा, राजबीर सिंह, चांदीराम, किसान नेता प्रताप सिंहमार, महावीर सिंह व अनुराधा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महिला ने लगाया मारपीट का आरोप

लोहारू। ढिगावा में महिला ने गांव के ही दो लोगों पर प्लाट के मामले को लेकर मारपीट करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। जिस पर लोहारू पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में ढिगावा निवासी महिला संजू ने बताया कि वह अपने खेत में जुताई के लिए गई तथा इस दौरान वहां गांव के दो लोग आ धमके और जमीन पर हक जताने लगे। महिला का आरोप है कि दोनों ने उस पर हमला कर दिया और गले से लॉकेट तोड़ लिया। घटना की सूचना पर डायल 112 की टीम भी मौके पर पहुंच गई। महिला का आरोप है कि लोग उसकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं।

त्रिवेणी सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीकः बाबा

भिवानी। शिव भूमि में त्रिवेणी रोपित करना बहुत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य माना जाता है, क्योंकि त्रिवेणी में लगने वाले तीनों वृक्षों पीपल, बरगद व नीम सकारात्मक ऊर्जा, शांति औद दिव्याता प्रदान करते है, ये बात त्रिवेणी बाबा ने गांव स्थित मुक्ति धाम में त्रिवेणी रोपित करने के उपरांत कही। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी को खुले और सार्वजनिक स्थानों पर लगाना चाहिए। इसके साथ-साथ लगाने से पहले ही यह संकल्प ले कि रोपित की गई त्रिवेणी का संरक्षण करेंग। हवलदार लोकराम ने बताया पर्यावरण प्रेमियों द्वारा हर गांव में सद्भावना त्रिवेणी रोपित करने का अभियान चलाया हुआ है, ताकि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के भाव से जोड़ा जा सकें।

कृषि शिविर में खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने को दिए जरूरी सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

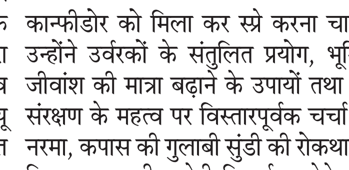

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा हिंदुस्तान गम एंड कैमिकल्स भिवानी द्वारा खंड लोहारू के गांव कुशलपुरा में कृषि शिविर लगाया, जिसमें किसानों को विभिन्न खरीफ फसलों जैसे ग्वार, नरमा कपास, मूंग व बाजरा आदि का उत्पादन बढ़ाने के लिए जरूरी सुझाव दिए। बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए एचएयू हिसार के कीट विज्ञान विभाग से सेवानिवृत डॉ. आरके सैनी ने ग्वार व नरमा का उत्पादन बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए। डॉ. सैनी ने कहा कि ग्वार में उखेड़ा रोग की रोकथाम के लिए किसानों को कार्बन्डाजिम 50 प्रतिशत नामक कंफूदनाशी दवा से बीज को सूखा उपचारित करके बोना चाहिए। ग्वार में मणिए बनने भी समस्या से निपटने के लिए रोगोर व कान्फीडोर को मिला कर स्प्रे करना चाहिए। उन्होंने उर्वरकों के संतुलित प्रयोग, भूमि में जीवांश की मात्रा बढ़ाने के उपायों तथा जल संरक्षण के महत्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। नरमा, कपास की गुलाबी सुंडी की रोकथाम के लिए फसल की अगेती बिजाई, अगेते पकने वाले हाइब्रिडों, फसल की ऊंचाई को नियंत्रित रखना व उचित कीटनाशियों के प्रयोग करने के उपायों को रेखांकित किया गया। कृषि विकास अधिकारी डॉ. संदीप यादव ने किसानों से आग्रह किया कि वे कुछ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को अवश्य अपनाएं।

सम्पूर्ण विश्व में स्वास्थ्य एवं मानसिक शांति का माध्यम हैं योगः डॉ. रश्मि

भिवानी। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने सहस्रों वर्ष पूर्व जो ज्ञान संचित किया। आज वहीं योग विज्ञान सम्पूर्ण विश्व में स्वास्थ्य और मानसिक शांति का माध्यम बन रहा है, ये बात आयुष विभाग के निर्देशानुसार जिला भिवानी के आयुष विभाग द्वारा भीम स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ करते हुए जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा ने कही। उन्होंने बताया कि आयुष विभाग के निर्देशानुसार जिला भिवानी में 21 जून को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इसी क्रम में योग दिवस की तैयारियों को लेकर तीन दिवसीय डीपीई/पीटीआई योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ भीम स्टेडियम में शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सामाजिक संस्थाओं, युवाओं और जन भागीदारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम से पहले योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाने के लिए 29 मई से 31 मई तक तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आयुष विभाग द्वारा किया गया है। पहले दिन 100 डीपीई/पीटीआई प्रशिक्षुओं और 50 आयुष विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए आईवाईडी के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज, योग विशेषज्ञ डॉ. निशा व एचएमओ डॉ. सोनल की देखरेख में प्रशिक्षकों द्वारा योग प्रोटोकॉल,आसनों और ध्यान की तकनीकों का अभ्यास करवाया। डॉ. रश्मि ने बताया कि शिविर का उद्देश्य प्रतिभागियों को योग के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रशिक्षित करना है, ताकि वे समाज में योग के प्रचार-प्रसार में योगदान दे सकें।

अधिकारी समस्या के निपटारे के साथ-साथ पोर्टल के प्रत्येक कॉलम को सही भरें: एडीसी

- एडीसी डॉ मुनीष नागपाल ने समाधान शिविरों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एडीसी डॉ मुनीष नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों को निपटाकर पोर्टल पर प्रत्येक कॉलम स्पष्ट रूप से भरें। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान धरातल पर होना चाहिए ताकि मुख्यालय द्वारा संबंधित व्यक्ति से संपर्क करें तो समस्या रिओपन ना हो। उन्होंने बताया कि इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से समाधान शिविरों की समीक्षा करते हैं। एडीसी नागपाल लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यालय द्वारा उन शिकायतकर्ता में से किसी न किसी व्यक्ति से बात की जाती है, जिनका संबंधित विभाग द्वारा समस्या का समाधान करवाया जाना दर्शा दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की समस्या का समाधान नहीं हुआ मिलता है तो वह एक गंभीर विषय हो जाता है और अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही प्रतीत होती है। वहीं समस्याएं रिओपन होती हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर समाधान करें।

ये रहे मौजूद

इस दौरान सीटीएम अनिल कुमार, जीएम रोडवेज दीपक कुंडू, डीडीपीओ आशीष मान, नगर परिषद ईओ राजाराम, कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ विनोद फोगाट सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में सुधार लाएं भाजपाः सुनैना चौटाला

- सुनैना चौटाला ने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के बयान की निंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

चरखी दादरी। मंच पर प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला व महिला प्रदेश अध्यक्ष।

इंडियन नेशनल लोकदल महिला विंग प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला व महिला प्रदेश अध्यक्षा तनुजा ने जिला कार्यालय में पार्टी की महिला पदाधिकारियों ने बैठक को संबोधित किया। मीटिंग में इनेलो महिला विंग की प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा हाल ही में महिलाओं को लेकर दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान ना केवल महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि यह समाज में असंवेदनशीलता को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में सुधार लाना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में महिलाएं किसी भी रूप में सुरक्षित नहीं है। भाजपा राज में बलात्कार, छीना-झपटी और दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं दिनोदिन बढ़ रही हैं। सुनैना चौटाला ने कहा कि पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल व पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला ने महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं आरंभ कर उनका जीवन बेहतर बनाया था।

पंजाबी जागृति मंच ने बाल भवन स्कूल में भेंट किया वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। बाल भवन स्कूल में वाटर कूलर भेंट करते पंजाबी जागृति मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिड्ढा।

पंजाबी जागृति मंच ने महाराजा अरूट की जयंती के उपलक्ष्य में मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिड्ढा ने अपने पुत्र भारतीय नौसेना में कमांडर अशित मिड्ढा के जन्मदिन पर पब्लिक स्कूल बाल भवन में वाटर कूलर भेंट किया। गर्मी के मौसम को देखते हुए स्कूल के बच्चों व क्रिकेट के बच्चों को गर्मी के मौसम में ठण्डा पानी उपलब्ध होगा।

वाटर कूलर का उद्घाटन प्राचार्या मन्जुषा महता ने किया। महता ने पंजाबी जागृति मंच सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि मंच के प्रधान दर्शन मिड्ढा ने स्कूल को पहले भी 25 पंखे भेट किये थे तथा समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रम करते रहते हैं। इस अवसर पर उपप्राचार्या सागरिका मल्होत्रा, विजय टुटेजा, ओमप्रकाश दुरेजा, विनोद गाबा, जगन्नाथ गंभीर, सुभाष बजाज, विवेक चौधरी, ओमप्रकाश सुखीजा, घनश्याम सनेजा, राधाकृष्ण चावला, कृष्ण कुमार हंस, संजय कक्कड़, हरीश नागपाल व पवन शर्मा उपस्थित रहे। मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिड्ढा ने बताया कि पंजाबी जागृति मंच समय-समय पर सामाजिक कार्यों में भाग लेता रहता है। मंच द्वारा मेडिकल कैंप का आयोजन, गरीब बच्चों को पुस्तकें व गरीब बच्चों की फीस दी जाती हैं।

15 तक ड्रेनों और नालों की सफाई करवाएं : एडीसी

भिवानी। एडीसी डॉ मुनीष नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मानसून के मद्देनजर 30 जून तक जिला में सभी बाढ़ राहत से संबंधित कार्यों को पूरा करवाएं। इसके अलावा 15 जून तक सभी ड्रेनों व नालों की सफाई करवाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर सफाई कार्यों का निरीक्षण करें और उसकी पूरी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने अधिकारियों को सफाई कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। एडीसी नागपाल शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य, नगर परिषद आदि विभागों के अधिकारियों को बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी इन सभी कार्यों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि उपमंडल स्तर पर उपमंडल अधिकारी को साथ लेकर ड्रेनों व नालों की सफाई कार्यों व बाढ़ राहत से संबंधित सभी कार्यों का जायजा लें। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम से पहले सभी कार्य पूरा करवाएं, ताकि किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। नप के अधिकारियों ने एडीसी को बताया कि भिवानी के 11 किलोमीटर क्षेत्र में छह किलोमीटर की सफाई हो चुकी है। पांच किलोमीटर की सफाई भी 10 जून से पहले कर दी जाएगी। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सफाई योग्य 224 किलोमीटर में से 103 किलोमीटर लंबी ड्रेनों की सफाई की जा चुकी है।

भिवानी। पांच दिवसीय ट्रेनिंग सेशन में उपस्थित न्यायाधीश व अधिवक्ता।

आपसी मध्यस्ता से ही कम हो सकता है न्यायालयों में मुकदमों का भारः जैन

भिवानी। आपसी मध्यस्ता से लोगों के मुकदम सुझलाने का प्रशिक्षण देने के लिए 26 से 30 मई तक चंडीगढ़ ज्यूडिशिलय अकेडमी में पांच दिवसीय ट्रेनिंग सैशन का आयोजन किया गया, जिसका समापन शुक्रवार को हुआ। इस ट्रेनिंग सैशन में हरियाणा से प्रदेश भर से 24 तथा भिवानी से अधिवक्ता मुकेश गुलिया व अधिवक्त अमित ढुल ने भाग लिया। पांच दिवसीय ट्रेनिंग सेशन के समापन पर मुख्य तौर पर हलसा में ज्वाईंट मैंबर/सैकेटरी जज मानविका यादव पहुंची तथा ट्रेनिंग सैशन को अधिवक्ताओं व आमजन के लिए बहुत ही लाभकारी बताया। अधिवक्ता मुकेश गुलिया व अमित ढुल ने बताया कि 26 से 30 मई तक 40 घंटे का मध्यस्त की भूमिका निभाने के लिए ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग में उन्हें सिखाया कि ऐसे मुकदमों में मध्यस्त बनकर लोगों के मुकदमों में समझौता करवाया जा सकता है। ट्रेनिंग देने वालों में मध्य प्रदेश से नीना खरे, हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सचिन जैन व हाईकोर्ट से वरिष्ठ महिला अधिवक्ता पुनीता सेठी तीनों ने संयुक्त रूप से अच्छे ट्रेनर की भूमिका निभाते हुए ट्रेनिंग दी। उन्होंने बताया कि मध्यस्त को सबसे पहले लोगों के मुकदमों को ध्यान से सुनना चाहिए।

शहीदों के सरताज पांचवें गुरुश्री अर्जुन देव का शहीदी गुरुपर्व मनाया

गुरु अर्जुन देव ने सिख धर्म को दी नई दिशाः प्रेमसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। छबील लगाकर मीठा पानी पिलाते श्रद्धालु तथा गुरूद्वारे में गुरबाणी कीर्तन एवं सुखमनी साहिब का पाठ करते श्रद्धालु।

सिखों के पांचवें गुरुश्री अर्जुन देव के शहीदी गुरुपर्व पर गुरुद्वारा सिंह सभा एवं गुरुद्वारा देवसर चुंगी में गुरुजी की शहादत को याद किया और ठंडे मीठे पानी की छबील व लंगर प्रसाद लगाया।

इस अवसर पर गुरबाणी कीर्तन एवं सुखमनी साहिब के पाठ का आयोजन किया। घंटाघर चौक स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा के मुख्य ग्रंथी प्रेमसिंह ने बताया कि आज के दिन गुरु अर्जुन देव को गर्म तवी पर बैठाकर सिर में गर्म रेत डालकर शहीद कर दिया था, लेकिन उन्होंने जुल्म को स्वीकार नहीं किया, उनका शरीर जल रहा था, इसके बावजूद मुंह से बस यहीं निकला कि तेरा भाना मीठा लागे।

पांचवें गुरुश्री अर्जुन देव को मुगल बादशाह जहांगीर ने सिर्फ इसलिए तसीहें देकर शहीद किया था, क्योंकि गुरुजी ने उनके कहने पर श्रीगुरु ग्रंथ साहिब में मोहमद हजरत की बातों को दर्ज करने से इंकार कर दिया था, जिस से पहले देग में बिठाकर आग से गर्म किया और बाद में नदी में स्नान के लिए ले जायेगा, तो गुरुजी नदी में ही विलुप्त हो गए। गुरुद्वारा देवसर चुंगी के मुख्य ग्रंथी सतनाम सिंह ने बताया कि शहीदों के सरताज गुरु अर्जुन देव सिखों के पांचवें गुरु थे, जिन्होंने सिख धर्म को नई दिशा दी। उनका जन्म 1563 में हुआ था और उन्होंने सिख समुदाय को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी शहादत ने सिख समुदाय को मजबूत एवं एकजुट किया। गुरु अर्जुन देव की बलिदान और त्याग को याद करता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य उनके आदर्शों को अपनाना और सिख धर्म के मूल्यों को मजबूत करना है। उनकी शिक्षा हमें करुणा सेवा निष्ठा और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने अपनी शहादत से सिखाया कि धर्म ओर सत्य की राह पर चलना कठिन हो सकता है, लेकिन कभी हार नहीं माननी चाहिए। शहीदी दिवस का दिन लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

सूचना

मैं, पीयूष शर्मा पुत्र श्री शिव कुमार निवासी गॉव खेडी बुरा, तहसील व जिला चरखी दादरी, हरियाणा बयान करता हूँ कि:- मैं उक्त पते का स्थाई निवासी हूं। मैंने दसवीं की परीक्षा वर्ष मार्च 2021 में सी०बी०एस०सी० बोर्ड से रोल नम्बर-17128042 के तहत पास की हैं तथा मुझे उक्त सर्टिफिकेट दिनांक 03.08.2021 को जारी की थी। उसके बाद मैंने माननीय न्यायालय श्री जसबीर सिंह कुंडू एडीशनल डिस्ट्रीक जज, चरखी दादरी की अदालत में मेरे उक्त दसवीं के प्रमाण पत्र में मेरा नाम पीयूष से पीयूष शर्मा व मेरी जन्मतिथि 07.10.2005 से 07.09.2005 कोर्ट के केस सीएनआर नम्बर- HRBHA200-2310-2023 फैसला दिनांक 30.10.2023 के द्वारा दुरूस्त किये गये जिसके बाद मेरी उक्त सर्टिफिकेट दिनांक 03.06.2024 को पुनः जारी की गई। यह कि मैंने बारहवीं की परीक्षा वर्ष मार्च 2024 में रोल नम्बर-17612036 के तहत सी०बी०एस०सी० बोर्ड से पास की हैं। यह कि मेरी दसवीं कक्षा के सर्टिफिकेट व मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम PIYUSH SHARMA लिखा हुआ हैं जो कि सही हैं। यह कि मेरी बारहवीं कक्षा के सर्टिफिकेट में मेरा नाम गलती से PIYUSH लिखा हुआ हैं जो कि गलत हैं। 'यह कि मेरी बारहवीं कक्षा के सर्टिफिकेट में मेरा नाम PIYUSH SHARMA लिखवाना चाहता हूँ जो कि लिखा जाना उचित हैं। यह कि दसवीं के सर्टिफिकेट के अनुसार जो मेरा रिकार्ड हैं वह सही है तथा स्कूल में भी इसी आधार पर ठीक किया जायें।

खबर संक्षेप

दो दिवसीय समर कैंप का आयोजन

बवानीखेड़ा। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बवानी खेड़ा में दो दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। समर कैंप की शुरुआत विद्यालय निदेशक एवं समाजसेवी विकास यादव ने की व बच्चों को इस समर कैंप का भरपूर आनंद उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राइमरी विंग की इंचार्ज नीतू रानी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले विद्यालय में समर कैंप लगाने का उद्देश्य बच्चों के मनोरंजन के साथ ही साथ उनको अनेक प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना भी है।

किरण चौधरी एक व दो को सुनेंगी समस्याएं

भिवानी। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी तोशाम विधानसभा क्षेत्र में एक व दो जून को तोशाम विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न गांवों को दौरा करेंगी। इस दौरान वे ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगी और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यसभा सांसद किरण चौधरी एक जून को चैनपुरा में लोगों की समस्याएं सुनेंगी। सांसद किरण चौधरी 10.30 बजे आसलवास दुबिया, 11 बजे आसलवास महरेटा, 12 बजे लहलाणा, 12.30 बजे भानगढ़, दोपहर बाद 1.30 बजे ढाणीशंकर, 2 बजे भाखडा, 2.30 बजे हरिपुर, 3 बजे गोलपुरा और 4 बजे लोहानी में ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगी।

जल संरक्षण के लिए चलाएं जन जागरूकता अभियान

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा कि जल शक्ति अभियान 2025 के जल संरक्षण को लेकर वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की मरम्मत, जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, पौधरोपण व जन जागरूकता जैसे कार्यों को प्राथमिकता से लागू किया जाए। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण भी जल संरक्षण का अभिन्न हिस्सा है। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि जन सहभागिता का अभियान है, इसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने आगामी मानसून से पहले जल संरक्षण के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं। जल संरक्षण से जुड़ी हर गतिविधि की साप्ताहिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए और फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण भी किया जाए।

एसपी कार्यालय में किया गया विदाई समारोह

भिवानी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय भिवानी के कांफ्रेंस हाल में पुलिस विभाग में सेवा पूर्ण कर चुके 05 पुलिस अधिकारियों की विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक भिवानी, मनबीर सिंह ने बताया की इंस्पेक्टर रणबीर सिंह, निरीक्षक करण सिंह, उप निरीक्षक सतीश कुमार, सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह व मुख्य सिपाही अमरजीत को उनके विभाग के प्रति लगन, मेहनत व ईमानदारी से कार्य करते हुए सेवाएं विभाग को समर्पित की।

देश की पहली क्लाइमेट कांफ्रेंस का आयोजन

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ दुनिया को राह दिखा रहा भारतः विधायक

- स्टैंड विद नेचर के पर्यावरण संरक्षण के प्रयास के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : विधायक
- जलवायु परिवर्तन से लड़ाई अब केवल वैज्ञानिक या सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है

भिवानी। द्वीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करते विधायक सर्राफ व अन्य व जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्यक्रम में अपनी बात रखते पर्यावरणविद्।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारत में पहली बार जलवायु परिवर्तन को केंद्र में रखकर आयोजित की गई राष्ट्रीय क्लाइमेट कांफ्रेंस ने भिवानी शहर को पर्यावरणीय चेतना के राष्ट्रीय मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित कर दिया। इस ऐतिहासिक आयोजन की अगुवाई प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता और स्टैंड विद नेचर के संस्थापक डॉ. लोकेश भिवानी ने की।

कार्यक्रम में देशभर के 50 से अधिक सामाजिक, शैक्षिक, और पर्यावरणीय संगठनों, पर्यावरणविद, शिक्षाविद, शोधकर्ता, और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सभी ने संदेश दिया कि जलवायु परिवर्तन से लड़ाई अब केवल वैज्ञानिक या सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें महंत चरणदास महाराज, विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने भाग लिया। महंत चरणदास ने प्रकृति की सेवा ही सच्ची पूजा बताते हुए कहा कि भिवानी केवल साधुओं और संतों की भूमि नहीं, अब ये हरित योद्धाओं की भूमि भी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि स्टैंड विद नेचर ने जो दीप जलाया है, वह पूरे देश को प्रकृति की ओर लौटने का मार्ग दिखा रहा है। विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने कहा कि एक छोटे से बीज से शुरू हुआ स्टैंड विद नेचर अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। सरकार भी इस प्रयास को समर्थन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्टैंड विद नेचर के संस्थापक डॉ. लोकेश भिवानी ने 6 वर्षों की यात्रा को सांझा करते हुए बताया कि कैसे ये संगठन स्कूलों, गांवों, विश्वविद्यालयों और शहरों में पांच लाख से अधिक लोगों को जोड़ चुका है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण कोई एक दिन का आयोजन नहीं, ये एक जीवन शैली है। जब एक बच्चा पेड़ लगाता है और उसकी देखभाल करता है, तभी सच्चा परिवर्तन संभव होता है। कैप्टन योगेश ने युवाओं में जोश भरा कि वे इस मिशन का अभिन्न हिस्सा बनें।

एक पौधा लगाने का संकल्प लिया

सुभाष गोयल ने बताया कि कैसे जल ही जीवन है और सामूहिक भागीदारी से जल संकट से लड़ा जा सकता है। डॉ. आशा पूनिया ने प्रकृति की विविधता को बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. शिवदर्शन मलिक ने कहा कि सदियों पहले जब दुनिया विकास की परिभाषा तलाश रही थी, तब भारत प्रकृति के साथ सहजीवन को जी रहा था। आज जब जलवायु परिवर्तन विश्व संकट बन चुका है, तब समाधान भी भारतीय परंपरा और ज्ञान से निकल रहा है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने हर व्यक्ति द्वारा कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लिया।

ये रहे मौजूद

क्लाइमेट कांफ्रेंस में मुख्य रूप से आदर्श महिला महाविद्यालय, राजीव गांधी महिला महाविद्यालय, विद्यान्तरिक्ष स्कूल, डॉ. इंदु शर्मा, डॉ. त्रिलोकचंद, नीरू चावला, संदीप चांगिया, कैप्टन डॉ. सविता, रत्नकौर, संजय सैनी दिल्ली, अक्षय आर्य उत्तर प्रदेश, नीलू राजस्थान, दीवानचंद रहेजा, शीला पंचकूला, कुलदीप पटौदी, रविशु सांगवान, मनबीर रेढू, ओपी गरवा, बाल पर्यावरण कार्यकर्ता वाणी वर्मा, आजाद सिंह, एनवाय के पूर्व डायरेक्टर ओपी मलिक, कमल यादव, सुषमा शर्मा, अंतराष्ट्रीय योगार्थी विद्या निम्बल व शिवकुमार चित्रकार आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। नेशनल एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप पचमढ़ी मध्य प्रदेश में पहुंचे प्रतिभागिता। फोटो : हरिभूमि

41 विद्यार्थी व 4 अध्यापक कैंप के बने प्रतिभागी

- नेशनल एडवेंचर इंस्टिट्यूट पंचमढ़ी में इस टीम ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकुला के अंतर्गत यूथ एंड इको क्लब प्रोग्राम के तहत प्रदेश के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय तोशाम तथा झुंपा कलां जिला भिवानी के कुल 41 विधार्थियों एवं 4 एस्कॉर्ट टीचर्स ने 23 मई से 29 मई तक हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित सात दिवसीय नेशनल एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप पचमढ़ी मध्य प्रदेश में प्रतिभागिता की।

जिला परियोजना समन्वयक विनय कुमार जिंदल ने बताया कि जिले से 41 विधार्थियों एवं 4 एस्कॉर्ट टीचर्स सतपुड़ा के घने जंगलों के बीच स्थित नेशनल एडवेंचर इंस्टिट्यूट पंचमढ़ी में हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा भेजी गई इस टीम ने विभिन्न साहसिक गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने के साथ जंगल, पहाड़, झरने एवं प्राचीन स्थलों को देखने का मौका मिला। सहायक परियोजना संयोजक विवेक अदलखा ने बताया कि इस कार्यक्रम में छात्राओं एवं एस्कॉर्ट टीचर्स को स्काउट एवं गाइड्स के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बताया एडवेंचर नेचर स्टडी कैंपस के दौरान विद्यार्थियों की विलक्षण प्रतिभाओं को निखारा जा सकता है एवं उनके लिए सफलता के नए आयाम खोले जा सकते हैं। विद्यार्थियों को बहुत सी एडवेंचर एक्टिविटी करवाई गई जिसमें रॉक क्लाइंबिंग, रेपलिंग, बोट राइडिंग, ट्रैकिंग आदि शामिल रही।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया

शाम को कैंप फायर एक्टिविटी के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक जिले से आए हुए छात्राओं ने अपनी कला के रंग बिखेरे। नेशनल एडवेंचर कैंप पंचमढ़ी के ट्रेनर्स द्वारा विद्यार्थियों को एडवेंचर एक्टिविटीज एवं खेलों के द्वारा विभिन्न शारीरिक गतिविधियां करवाई गई जिसे विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सबल बनाने में सहयोग मिला। विद्यार्थियों ने इस तरह की चीजों को केवल किताबों में पढ़ा या देखा था उनको साक्षात रूप में देखकर विद्यार्थी बहुत आनंद की अनुभूति कर सीख रहे थे। किताबों में देखना एवं साक्षात रूप में देखना निश्चित रूप से उस ज्ञान को और अधिक पक्का कर देती हैं।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

- जलघर में स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचकर निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

एसडीएम डॉ. अशवीर नैन ने तोशाम में बरसाती पानी निकासी की व्यवस्था का एसटीपी, ड्रेन, नालों व सीवरेज सिस्टम का निरीक्षण किया। एसडीएम ने जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी विभाग के अधिकारियों को बरसाती सीजन में कस्बे की पानी निकासी के लिए हर संभव कदम उठाए जाने के निर्देश भी दिए। एसडीएम ने जलघर में स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने पानी निकासी के लिए लगी मोटरों का निरीक्षण किया और वास्तविक स्थिति को जाना।

एसडीएम डॉ नैन ने पानी निकासी को आपात स्थिति के लिए रखे गए पंपों, जनरेटर सेटों व पानी निकासी में काम आने वाली बिजली की मोटरों को जायजा लिया। एसडीएम ने बस स्टैंड के पास बने जोहड़ से पानी निकासी का भी जायजा लिया।एसडीएम ने बरसात के दौरान बस स्टैंड के सामने दुकानों के पास होने वाले जलभराव को लेकर अधिकारियों को पानी निकासी के पुख्ता प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए। एसडीएम ने मुख्य चौक, पंचायत घर के पास, पुरानी अनाज मंडी एरिया आदि स्थानों पर सीवरेज सिस्टम का निरीक्षण किया और साफ-सफाई के निर्देश दिए। एसडीएम डॉ नैन ने इस दौरान नालों का निरीक्षण किया।

अंक ऑनलाइन अपलोड करने की बढ़ाई अंतिम तिथि

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त सभी राजकीय/अराजकीय विद्यालय/गुरूकुलों/विद्यापीठों द्वारा शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए कक्षा 9वीं व 11वीं के छात्र/छात्राओं के वार्षिक परीक्षा के अंक अपलोड करने की तिथि बढ़ा दी गई है, अब विद्यालय 06 जून, 2025 तक ऑनलाइन अंक अपलोड कर सकते हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार, उपाध्यक्ष सतीश कुमार एवं सचिव डॉ. मुनीश नागपाल, ने शुक्रवार को एक प्रेस वक्तव्य के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित संस्थाएं समय रहते अंक अपलोड करना सुनिश्चित करें।

50 लोगों ने रक्तदान किया

- सम्मान एक प्रयास समिति ने महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। महाराणा प्रताप जयंती पर रक्तदान शिविर में रक्तदाता को बैज लगाते हुए।

सम्मान एक प्रयास समिति द्वारा गांव कलिंगा में महाराणा प्रताप की जयंती पर 17वां रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिविर में 50 लोगों ने रक्तदान किया।

सम्मान एक प्रयास समिति के संस्थापक व अध्यक्ष डा. राजेश कुमार की अध्यक्षता में अध्यक्ष ने बताया कि रक्तदान शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि भरत सिंह परमार ट्रैफिक मैनेजर हरियाणा रोडवेज भिवानी, विशिष्ट अतिथि डा. संजय परमार विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान जीजेयू हिसार, कैप्टन लालचंद गुज्जर सूई, कु. शर्मिला अरोधिया राजीव गांधी कॉलेज भिवानी, दर्शन मिढ़ा पूर्व जिला खेल अधिकारी सेवानिवृत भिवानी, डॉ. बृजलाल जांगड़ा समाजसेवी चांग, ईश्वर सिंह यादव समाजसेवी यादव, पवन कुमार सामाजिक कार्यकर्त्ता मिताथल, अमित शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता मंढ़ाणा, राकेश घणघस धनाना, अजय सैनी समाजसेवी भिवानी ने रिब्बन काटकर किया। उन्होंने रक्तवीरों को बैज लगाकर व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि हमें हर समाज को हर महापुरुष की जयंती इस तरह से मनानी चाहिए। कार्यक्रम में समिति के संस्थापक अध्यक्ष डा. राजेश कुमार, उपाध्यक्ष अनिल परमार, महासचिव डॉ. नवनीत ढांडा आदि मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मी की तत्परता से बस में छूटा यात्री का बैग मिला

लोहारू। बस स्टैंड पर रेल यात्री को उसका बैग लौटाते हुए रोडवेज कर्मी रणवीर रांगी व अन्य।

लोहारू। रोडवेज बस कर्मचारियों ने तत्परता और ईमानदारी की मिसाल पेश की है। दरअसल राजस्थान के झुंझुनू जिला निवासी अनिल परिवार के साथ रोडवेज बस में सवार होकर नागौर से लोहारू आ रहा था। इस दौरान अनिल एक बैग उतारना भूल गया और रोडवेज बस गंतव्य की ओर बढ़ गई। बस यात्री अनिल ने बताया कि उसके बैग में सोने का मंगलसूत्र, सोने की नथ, पैरों की चुटकी, कीमती वस्त्र व खाने-पीने का सामान था। बैग गायब देखकर अनिल के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई।

घबराय हुए यात्री अनिल ने इसकी सूचना लोहारू बस ड्यूटी इंचार्ज रणवीर रांगी को इस सूचना दी। जिसके बाद रणवीर रांगी ने तत्परता परिचय देते हुए उन्होंने रोडवेज बस के नंबरों और उसके में सवार चालक और परिचालक से संपर्क साधने का प्रयास किया तथा अनेक बस स्टॉप पर इसके बारे में पूछताछ की। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बैग पिलानी बस स्टेंड पर प्राप्त हुआ।

सवा दो करोड़ में बनेगा टैंक

- विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने जल घर में पहुंचकर रखी नींव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के गांव सिप्पर में बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने जल घर के 2 करोड़ 25 लाख की लागत के टैंक की नींव रखते हुए।

बवानी खेड़ा के गांव सिप्पर में बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने जल घर के 2 करोड़ 25 लाख की लागत के टैंक की नींव रखने के लिए पहुंचे। वहां पहुंचने पर ग्रामवासियों ने फूल मालाओं और पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। विधायक ने जल घर के टैंक की नींव रखी और काम शुरू करवाया।

विधायक ने सिप्पर के गुरुद्वारे में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि जो हलके की जनता का स्नेह उन्हें मिला है वे उसका कभी कर्ज नहीं उतार सकते वहीं उन्होंने ट्रिपल इंजन की सरकार का भी गुणगान किया और बताया कि आज प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेना को दी गई छूट से हमारे देश के जवानों ने दुश्मनों को उनके घरों में जाकर उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। मुख्यमंत्री जमीन से जुड़े हुए हैं और सभी हलकों में विकास को महत्व दे रहे हैं। विधायक ने बताया कि विकास और लोगों की सुविधाओं में सुधार होता है।

जब तक हर्जाना नहीं मिलेगा बिजली टावर नहीं लगने देंगे

तोशाम। क्षेत्र के गांव मिरान, ईशरवाल, बिडौला आदि में सोलर ऊर्जा केंद्र बिडौला व खावा से पावर हाउस मिरान, ईशरवाल तक लगाई जा रही संप्रेषण लाइनों के लिए खड़े किए जा रहे टावरों का विरोध करते हुए अखिल भारतीय किसान सभा के प्रधान करण सिंह के नेतृत्व में किसानों ने उपमंडल अधिकारी तोशाम कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। जिला सचिव मास्टर जगरोशन व दिनेश सिहाग ने कहा कि सोलर पावर कंपनियों द्वारा किसानों की सहमति लिए बिना संप्रेषण लाइनों के टावरों को खड़ा किया जा रहा है, किसानों को फसल व भूमि का कोई मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

खरीदकर पी रहे पानी

किसानों के द्वारा उपमंडल में पीने के पानी की किल्लत के बारे में अवगत करवाते हुए संडवा पंचायत प्रतिनिधि शत्रुघ्न पायल ने बताया कि रोजाना गांव में 500 टैंकर पानी खरीद कर पिया जा रहा है। तहसील उपप्रधान मुकेश श्योराण ने बताया कि भूमि पैमाइश के नाम पर प्राइवेट एजेंसियां भारी लूट कर रही है जबकि राजस्व विभाग ने प्रत्येक तहसील में उपकरण 3 वर्ष पहले उपलब्ध करवा दिए थे। इस मौके पर रमेश ईशरवाल, बहादुर सिंह संडवा, मांगेराम श्योराण, महावीर सिहाग, जयपाल सिंह, विनोद, सुरेश, सोनू सिवाच, जग्गी सिहाग, ओमप्रकाश सिहाग, बलवान बिडौला, राजवीर, संदीप सिहाग, रामफल आदि मौजूद रहे।

डीआरओ सुरेश कुमार सेवानिवृत्त

- एडीसी डॉ मुनीश नागपाल ने जिला राजस्व अधिकारी सुरेश कुमार की सेवानिवृति पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एडीसी डॉ मुनीश नागपाल ने कहा कि सरकारी नौकरी में नियुक्ति के दिन ही अधिकारी और कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तिथि निर्धारित होती है। अधिकारी को सरकारी सेवा के दौरान मिलने वाला लम्बा अनुभव अधीनस्थ कार्यालय में अधिकारियो और कर्मचारियों के लिए सांझे करना प्रेरणा स्त्रोत होता है। एडीसी डॉ मुनीश नागपाल शुक्रवार को जिला राजस्व अधिकारी सुरेश कुमार की सेवानिवृति पर स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में विदाई समारोह में अधिकारियो और कर्मचारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

जिला राजस्व अधिकारी सुरेश कुमार ने 10 मई 1996 को भिवानी से नायब तहसीलदार के पद पर अपनी नियुक्ति दी थी। वे 2012 में तहसीलदार बने। इसके बाद 2017 से जिला राजस्व अधिकारी के रूप में अपनी सरकारी सेवाएं प्रदान कर रहें हैं। अतिरिक्त उपायुक्त मुनीश नागपाल ने कहा कि डीआरओ सुरेश कुमार ने अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी के साथ पूरी की है, जो अपने आप में एक मिशाल है। इस मौके पर डीआरओ सुरेश कुमार की पत्नी, दोनों पुत्र, रिटायर्ड सदर कानूनगो सतबीर, तहसील प्रधान विक्रांत शर्मा, रिटायर्ड एन.एस.के सतबीर, रीडर मामन, कानूनगो सुमेर , मंगल राठी कानूनगो, सुरेंद्र तंवर, योगेन्द्र कानूनगो, संदीप क्लर्क, प्रवीन, जतिन मेहता, धर्मेंद्र, जयचंद आदि मौजूद रहे।

11 संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

गिरफ्तार किए गए युवकों की उठाई रिहाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- बेरोजगारी की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना था युवाओं का उद्देश्य : कामरेड ओमप्रकाश

देश में बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर 10 दिसंबर 2023 को नीलम दक्ष के साथ पांच अन्य युवाओं ने संसद में घुसकर देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की आवाज उठाई थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। हद की बात ये है कि उनसे पूछताछ व हिरासत के दौरान ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला कि उनका कोई हिंसक उद्देश्य या उनका संबंध आतंकवादी व राष्ट्र विरोधी संगठनों से था। इसके बावजूद भी 18 माह बाद भी उन युवाओं को रिहा नहीं किया, जिसके चलते देशभर के सामाजिक संगठनों में रोष है। शुक्रवार को राष्ट्रीय कुम्हार महासभा, किसान मोर्चा हरियाणा, किसान सभा भिवानी, अखिल भारतीय किसान सभा, जनवादी महिला समिति, दलित अधिकार मंच, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, दक्ष जागृति मंच, वामसेफ, पंजाबी महासभा, मजदूर संगठन सीटू ने शहर में प्रदर्शन कर उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को मांगपत्र सौंपा और युवाओं की रिहाई की मांग उठाई। इस मौके पर करतार सिंह, अनिल कुमार, विनोद सांगा, अनुराधा, उपासना वशिष्ठ, रामकुमार, अमरनाथ, सुरेंद्र सिंह, बाबूलाल आदि मौजूद रहे।

भिवानी। गिरफ्तार किए गए युवाओं की रिहाई की मांग को लेकर विरोध जताते संगठनों के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि